पर्वतीय क्षेत्र की सड़कों की गुणवत्ता पर विशेष जोर देने की आवश्यकता : प्रो घोष

यूटीयू में सेमीनार

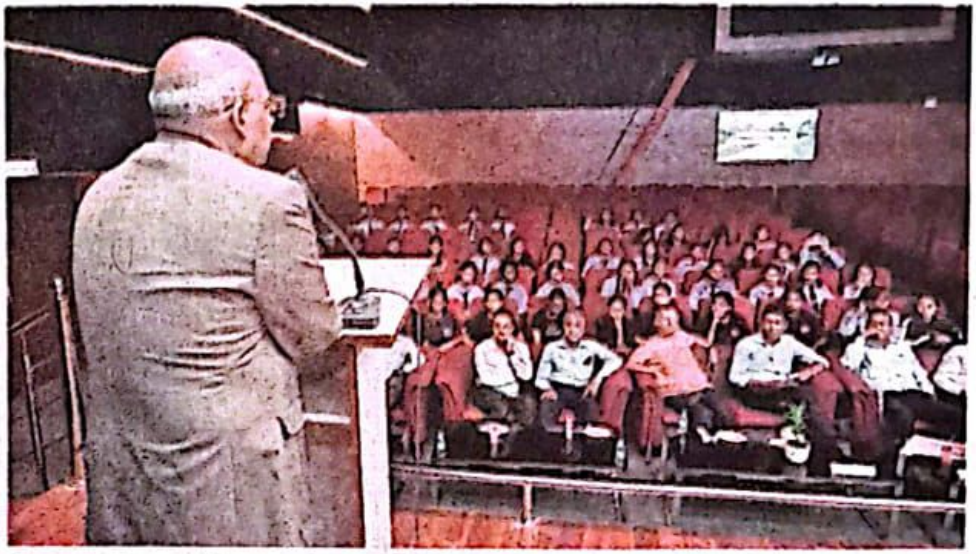

वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि के कुलपति प्रो . ओंकार सिंह सेमीनार को संबोधित करते हुए • जागरण

जागरण संवाददाता, देहरादून : आइआइटी रुड़की के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर इंद्रजीत घोष ने कहा कि पर्वतीय क्षेत्र की सड़कों की गुणवत्ता पर विशेष जोर देने की आवश्यकता है, ताकि दुर्घटनाओं से बचा जा सके। इसके अलावा विशेषकर पर्वतीय क्षेत्र में हमें समाज में जागरूकता लानी होगी, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी आए। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं के कारण गिनाए, जिसमें यातायात नियमों का उल्लंघन, ट्रैफिक कंट्रोल के लिए सिग्नल का नहीं होना, ट्रैफिक नियमावली की जानकारी नहीं होना, दिशा सूचक बोर्ड, क्रास बैरियर का न होना, वाहनों को निर्धारित सीमा से अधिक गति से चलाना आदि प्रमुख रहे।

शनिवार को वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि (यूटीयू) में हिमालयी क्षेत्र में सड़क अवसंरचना के विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण चुनौतियों विषय पर एक दिवसीय सेमीनार आयोजित किया गया। सेमीनार में बतौर मुख्य वक्ता आइआइटी रुड़की के प्रो. इंद्रजीत घोष ने अपने विचार रखे। डा. घोष ने सड़क सुरक्षा को लेकर चल रहे शोध कार्यों से छात्रों को अवगत कराया। इंस्टीट्यूशन आफ इंजीनियर्स उत्तराखंड स्टेट सेंटर के चेयरमैन इंजीनियर . नरेंद्र कुमार यादव ने हिमालयी क्षेत्र के संदर्भ में सड़कों एवं राजमार्ग के इतिहास से परिचित कराया। यूटीयू के कुलपति प्रो.ओंकार सिंह ने कहा कि उत्तराखंड में सड़कों के निर्माण पर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। महिला प्रौद्योगिकी संस्थान देहरादून के निदेशक डा.मनोज कुमार पांडा ने सेमीनार की उपयोगिता की जानकारी दी। इस मौके पर यूटीयू सिविल इंजीनियरिंग के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।